भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 379
दिनांक 23 जुलाई, 2025 के लिए प्रश्न

ओंगोल नस्ल के मवेशियों के संरक्षण की स्थिति

379 श्री येर्रम वेंकट सुब्बा रेड्डीः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार घटते हुए ओंगोल नस्ल के मवेशियों का ख्याल किस प्रकार रखती है और क्या ब्राज़ील में भी यही नस्ल फल-फूल रही है;

(ख) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) और अन्य योजनाओं के बावजूद, ओंगोल नस्ल लगातार घटती जा रही है और विलुप्त होने के कगार पर है, इसके क्या कारण हैं;

(ग) इन बर्फीले सफेद मांसपेशियों वाले मवेशियों को विलुप्त होने से बचाने के लिए क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(घ) क्या सरकार ओंगोल नस्ल के मवेशियों को बचाने के लिए आरजीएम के अंतर्गत कोई उप-मिशन प्रस्तुत करने पर विचार करेगी; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) से (ड़) उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार गोपशु की ओंगोल नस्ल की आबादी पशुधन संगणना 2012 (नस्ल सर्वेक्षण रिपोर्ट 2013) और 2019 (नस्ल रिपोर्ट 2022) के बीच 6.34 लाख से 10.88% बढ़कर 7.03 लाख हो गई है। गोपशु की ओंगोल नस्ल सहित देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए आंध प्रदेश राज्य में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत निम्नलिखित प्रयास किए जा रहे हैं:

(i) बोवाइन आईवीएफ (IVF) तकनीक का कार्यान्वयनः इस घटक के तहत 3 आईवीएफ प्रयोगशालाएं कार्य कर रही हैं, जो लैम फॉर्म गुंटूर, पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय तिरुपति और राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र चिंतालादेवी नेल्लोर में स्थित हैं। ये प्रयोगशालाएं आईवीएफ तकनीक के माध्यम से गोपशु की ओंगोल नस्ल और पुंगनुर नस्ल सहित देशी नस्लों के विकास से संबंधित कार्य कर रही हैं।

(ii) ओंगोल नस्ल सहित देशी नस्लों का वैज्ञानिक और समग्र तरीके से विकास और संरक्षण करने के उद्देश्य से चिंतालादेवी नेल्लोर जिले में दक्षिण क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र की स्थापना की गई है।

(iii) विभाग ने गोपशु की ओंगोंल नस्ल के विकास और संरक्षण के लिए चादलवाडा, प्रकासम जिले में गोकुल ग्राम की स्थापना में सहायता प्रदान की है। यह गोकुल ग्राम, प्रजनन कार्यक्रम में उपयोग के लिए उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता वाले सांडों के उत्पादन और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

(iv) गोपशु की ओंगोल नस्ल के लिए चिंतालादेवी में स्थित सांड जननी फार्म (bull mother farm) के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार को सहायता उपलब्ध कराई गई है।

(v) पशुपालन और डेयरी विभाग गोपशु की ओंगोल नस्ल सहित के उत्कृष्ट पशुओं की देशी नस्लों की पहचान करने उनेक, स्थान का पता लगाने और उनके प्रसार के लिए ओंगोल में केंद्रीय पशु पंजीकरण योजना कार्यान्वित कर रही है।

(vi) बनवासी, नंदयल और विजाग में स्थित सीमन केंद्रों के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य को सहायता उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में इन सीमन केंद्रों में गोपशु की ओंगोल नस्ल के 24 उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता (HGM) वाले सांड उपलब्ध हैं और वर्ष 2024-25 के दौरान राज्य में ओंगोल सीमन की कुल 5.07 लाख खुराकों का उत्पादन किया गया।

*****